लिखो व याद करो।

पाठ-9 विशेषण

24 अप्रैल 2020 शुक्रवार

प्र01. विशेषण किसे कहते हैं?

उ0- संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। जैसे - रमन अच्छा लड़का है।

प्र02. प्रविशेषण किसे कहते हैं?

उ0- जो शब्द विशेषण शब्दों की भी विशेषता बताते हैं, वे प्रविशेषण कहलाते हैं। जैसे - मीना बहुत सुन्दर लिखती है।

प्र03. विशेष्य किसे कहते हैं?

उ0- विशेषण शब्द जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताते हैं, वे विशेष्य कहलाते हैं। जैसे - मोटा बालक व्यायाम कर रहा है। मोटा विशेषण है तथा बालक विशेष्य है।

प्र04. विशेषण के कितने भेद हैं? परिभाषा सहित लिखो।

उ0- विशेषण के चार भेद हैं-

1. गुणवाचक विशेषण:→ ऐसे विशेषण शब्द जो संज्ञा तथा सर्वनाम के गुण, दोष, रूप, रंग, भाव, अवस्था, दशा आदि का बोध कराते हैं, वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे:- प्राचीन, सुंदर, बचपन, पूजनीय

2. संख्यावाचक विशेषण:→ ऐसे विशेषण शब्द जो संज्ञा अथवा सर्वनाम की संख्या संबंधी विशेषता बताते हैं, वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे-अनेक, चालीस, ग्यारह

इसके दो भाग होते हैं- निश्चित संख्यावाचक विशेषण, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

3. परिमाणवाचक विशेषण:→ ऐसे विशेषण शब्द जो संज्ञा अथवा सर्वनाम की माप-तौल संबंधी विशेषता बताते हैं, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे - चार किलो, ढेर सारे

इसके दो भाग होते हैं - निश्चित ~~संख्यावाचक~~ परिमाणवाचक विशेषण, अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

4. सार्वनामिक विशेषण → ऐसे सर्वनाम शब्द जो संज्ञा शब्दों से पहले आकर विशेषण का कार्य करते हैं, वे सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं। जैसे – यह विद्यालय मेरा है।